माननीय सदस्यगण

आप सभी माननीय् सदस्यों ने आज सदन में मुझे जो जिम्मेवारी दी है, उससे मैं अभिभूत हूँ। इस अवसर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए मैं मशहूर गीतकार गुलजार की कुछ पंक्तियों को दुहराना चाहूंगा–

'सिर्फ एहसास है ये रूह से महसूस करो।

प्यार को प्यार ही रहने दो इसे नाम न दो ।।'

जिस ढंग से आपलोंगों ने दलीय राजनीति की सीमा से परे हटकर आस्था एवं विश्वास व्यक्त करते हुए मुझे इस आसन पर विठाया है, उससे मुझे गुरूत्तर दायित्व का वोध हो रहा है। आप सभी के माध्यम से राज्य की सवा तीन करोड़ जनता का समर्थन एवं विश्वास मुझे प्राप्त है, जिसके बल पर मुझ जैसा साधारण व्यक्ति भी इस असाधारण कार्य को सुगमता से सम्पन्न करने में सक्षम हो पायेगा, ऐसा मैं मानता हूँ। मेरा यह भी मानना है कि सत्तापक्ष एवं प्रतिपक्ष दोनों मेरे साथ है, इसलिए सदन के संचालन में मुझे कोई कठिनाई नहीं होगी, साथ ही इस सदन की गरिमा को अक्षुण्ण रखने में मैं सफल हो पाऊँगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जिस प्रकार आपने सर्वसम्मति से मुझे सदन का अध्यक्ष

निर्वाचित करने में अविस्मरणीय सहयोग प्रदान किया है, वैसा ही सहयोग मुझे सदन के संचालन में सदैव प्राप्त होता रहेगा।

इस आसन को जिन महानुभावों ने पूर्व में सुशोभित किया है, वे सभी मेरी प्रेरणा के अनमोल श्रोत है। माननीय इन्दर सिंह नामधारी जी, माननीय मृगेन्द्र प्रताप सिंह जी, माननीय आलमगीर आलम साहब, माननीय चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह जी तथा माननीय शशांक शेखर भोक्ता जी के आदर्श, पथ प्रदर्शक के रूप में मुझे सदैव शक्ति प्रदान करते रहेंगे।

इस चतुर्थ, झारखंड विधान सभा में एक ओर जहाँ कई पुराने एवं अनुभवी नेता पुनः निर्वाचित होकर पधारें हैं, वहीं कई नव निर्वाचित उर्जावान माननीय् सदस्य भी हैं। अनुभव एवं उर्जा के इस अद्भुत समागम से जनता की समस्त आकांक्षाएं एवं अपेक्षाएं निश्चित रूप से पूरी होगी, ऐसा मेरा मानना है।

सदन के संचालन में मेरी भूमिका अवश्य होगी परन्तु इसक्रे प्रभाव एवं सार्थकता के लिए सभी माननीय् सदस्य समान रूप से सहभागी होंगे। भारत के संसदीय इतिहास में स्वस्थ्य वाद–विवाद की ऐसी समृद्व परम्पराएं रही है, जिन्हें

स्मरण में रखकर हम सभी इसमें एक नूतन अध्याय जोड़ सकते हैं एवं आगामी पीढ़ी के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि जिस प्रकार आपने अध्यक्ष के निर्वाचन में पक्ष–प्रतिपक्ष की दूरी को पाटकर वैचारिक धरातल पर एक जनप्रतिनिधि होने का प्रमाण दिया है, उसी प्रकार राज्यहित में सकारात्मक दृष्टिकोण एवं सम्पूर्ण शक्ति के साथ सदैव एकीकृत प्रयास करते रहेंगे। मैं आश्वस्त करना चाहता हूँ कि एक जिम्मेवार भारवाहक के रूप में इस सदन के संचालन में सभी माननीय सदस्यों को मेरा निरन्तर सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

अंततः नववर्ष की मंगलकामनाओं के साथ मैं यह भी कामना करता हूँ कि जिस प्रकार प्रकृति ने इस राज्य को समृद्धि प्रदान की है उसी प्रकार आप सभी माननीय सदस्यगण सभी झारखंडवासी की समृद्धि एवं खुशहाली के वाहक हों एवं यश के भागी बने।